सप्लाई करने वाली फर्म को ने रोके जाने के क्या कारण हैं जिसके आवरण आर्डरों में दिए गए विनिर्देशों के अनुरूप नहीं पाए गए ; और

(ख) आर्डरों में विनिर्देशों के अनुरूप सप्लाई किये गये आवरणों की कीमत कितनी थी तथा इसके लिए कम्पनी को कितनी राशि का भुगतान किया गया ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भागवत झा आजाद) : (क) आवरणों की सप्लाई परेषण में से लिए गए नमूने की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने से पहले स्वीकार कर ली गई थी और आवरणों को देश के विभिन्न गोदामों को भेज दिया गया था ।

(ख) बिक्री ठेके के अधीन 1535 आवरणों का स्वीकार किया गया मूल्य 22,17,403 रुपये था । इसमें से विनिर्दिष्टियों के अनुसार सप्लाई किये गये आवरणों की लागत 15,41,228 रुपए थी । सभी स्वीकृत आवरणों के लिए सम्भरणकर्ता को 20,52,470 रुपए की राशि का भुगतान किया गया था ।

रेलवे अधिकारियों के उपेक्षापूर्ण रवैये के प्रति संसद सदस्यों की शिकायत

1003. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ संसद सदस्यों ने रेलवे अधिकारियों द्वारा संसद सदस्यों की उपेक्षा के सम्बन्ध में 22 दिसम्बर, 1982 को एक पत्र लिखा था ; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है ?

रेल मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) : (क) जी, हां ।

(ख) मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है ।

जोनल रेलवे द्वारा पुराने सामान की बिक्री

1004. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव :** क्या रेल मंत्री 20 अक्तूबर, 1982 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 1477 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पुराने सामान की बिक्री के लिए किन-किन जोनल रेलवे में सूचनायें जारी की गईं और वे किस प्रकार और कब प्रकाशित की गईं ; और

(ख) क्या सामान की बिक्री खुली नीलामी द्वारा की गई अथवा सीलबन्द निविदाओं द्वारा ?

रेल मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) : (क) जिन क्षेत्रीय रेलों तथा उत्पादन इकाइयों में पुराने स्टाक की बिक्री के लिए नोटिस जारी किए गए थे उनके नाम इस प्रकार हैं :—

मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और पश्चिम रेलवे तथा चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना, डीजल रेल इंजन कारखाना और सवारी डिब्बा कारखाना ।

प्रत्येक नीलामी को बहुत पहले प्रमुख स्थानीय और राष्ट्रीय दैनिक समाचार

पत्रों/इश्तिहारों आदि में प्रकाशित करके नीलामी के लिए नोटिस प्रकाशित किए गए थे ।

(ख) इसके अतिरिक्त सरकारी विभागों/उपक्रमों को खुली नीलामी और मुहरबन्द निविदाओं के माध्यम से माल के पुराने स्टाक की सीधी बिक्री की गयी ।

रेलवे स्टेशन के नाम में परिवर्तन

1005. श्री हुक्मदेव नारायण यादव : क्या रेल मंत्री 20 अक्तूबर, 1982 को राज्य सभा में दिए गए तारांकित प्रश्न 241 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जनता सरकार के समय बिहार सरकार ने बिहार में घोघरडीहा और निर्मली के बीच हाल्ट स्टेशन "परमानवरोली" का नाम बदलकर "परसा-बसुआरी" करने के संबंध में अपनी सिफारिश भेजी थी;

(ख) यदि हां, तो उस पर कोई निर्णय लिया गया है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) : (क) जी, हां ।

(ख) निदेशक सर्वे आफ इंडिया, पूर्वी क्षेत्र, कलकत्ता से रोमन तथा देवनमा देवनागरी लिपि में प्रस्तावित नाम "परसा-बसुआरी" के सही वर्णविन्यास की प्राप्ति को छोड़कर, सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गयी हैं । निदेशक, सर्वे आफ इंडिया पूर्वी क्षेत्र, कलकत्ता से सही वर्णविन्यास प्राप्त होते ही पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा इस संबंध में आवश्यक अधिसूचना जारी कर दी जाएगी ।

Sleeping accommodation for Pantry Car Staff

1006. DR. M.M.S. SIDDHU:
SHRI ROBIN KAKATI:
DR. SHANTI G. PATEL:
SHRI BrSWA GOSWAMI:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that sleeping, accommodation for pantry car staff in Express trains is insufficient affecting the passenger service in trains attached with restaurant cars; and

(b) if so, what steps are being taken to provide adequate number of sleeping berths for the pantry car staff?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHALK DHURI); (a) and (b) Pantry Cars on different trains have different complement of staff. Sleeping accommodation avail' able in pantry cars is not uniform. It is only in certain trains where the comp-lement of staff is more, the sleeping accommodation available is not adequate. The pantry car design has now been standardised and the pantry cars manu-factured in future will have sufficient sleeping accommodation.

1007. *[Transferred to the Wit March,* 1983].

Trial of semi-purified fractions of Sea Weed in T. B. Hospital, Amargadh

1008. SHRI RAMESHWAR SINGH: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that 2 semi-purified fractions of sea weed in T. B, Hospital, Amargadh were found 100 per cent effective as reported in the 'Times of India' of the 9th November, 1982 a,nd if so, what are the details of the trials indicating dosages and the number of patients treated so far;

(b) whether the invention of the new drug is likely to replace streptoniyciu